



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 135]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 31, 2009/चैत्र 10, 1931

No. 135]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 31, 2009/CHAITRA 10, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2009

अंतिम जाँच परिणाम

विषय : चीन जन. गण. और ताइवान के मूल के या वहां से निर्यातित केबल टाइज के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जाँच ।

फा. सं. 14/10/2007-डीजीएडी.—यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी भी कहा गया है) ने वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियम कहा गया है) के अनुसार एक आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें चीन जन. गण. और ताइवान (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित केबल टाइज (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया था और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटनरोधी जाँच प्रारंभ करने का अनुरोध किया गया था ।

2. और यतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर उसकी पर्याप्तता और यथातथ्यता की जाँच करने के बाद नियमावली के नियम 6(1) के अनुसार कथित पाटन की उपस्थिति, मात्रा एवं प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने, जिसे यदि लागू किया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, के लिए संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जाँच प्रारंभ करते हुए दिनांक 1 जनवरी, 2008 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जो भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित हुई थी ।

3. यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम और नियमावली को ध्यान में रखते हुए चीन जन. गण. तथा ताइवान के मूल की या वहां से निर्यातित आईटीसी एचएस वर्गीकरण के उपशीर्ष 39.2690/3926.9010 के अंतर्गत आने वाली केबल टाइज के आयातों की जाँच कर उन पर

दिनांक 23 सितंबर, 2008 के समसंख्यक जांच परिणाम के तहत अनंतिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की थी और संबद्ध वस्तु पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क दिनांक 31.10.2008 की सी.शु. अधिसूचना सं. 118/2008-सी.शु. के तहत लगाया गया था ।

#### क. प्रक्रिया

4. प्राधिकारी ने इस जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है :

- i. उपर्युक्त नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार प्राधिकारी ने जांच शुरू करने से पूर्व आवेदक द्वारा संबद्ध वस्तु के पाटन का आरोप लगाते हुए किए गए आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों/व्यापार प्रतिनिधियों को अधिसूचित किया ।
- ii. प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार 1 जनवरी, 2008 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भारत में संबद्ध देशों/भू-भागों के दूतावासों/व्यापार प्रतिनिधियों, संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को भेजी और उनसे जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिन के भीतर संगत सूचना उपलब्ध कराने और अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया ।
- iii. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6 के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और चीन जन.गण. तथा ताइवान के दूतावासों/व्यापार प्रतिनिधियों को आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां उपलब्ध कराई ।
- iv. भारत में चीन.जन.गण. तथा ताइवान के दूतावासों/व्यापार प्रतिनिधियों को नियम 6 के अनुसार इस अनुरोध के साथ जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया है कि वे अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित अवधि के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें । निर्यातकों/उत्पादकों को भेजे गए पत्रों और प्रश्नावली की एक प्रति निर्यातकों के नाम और पतों सहित उन्हें भी भेजी गई थी ।
- v. आवेदक ने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया था कि वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाए । प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के ज्ञात निर्यातकों को यह सूचित किया कि उसका प्रस्ताव यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा (7) और (8) के मद्देनजर आवेदक के दावे की जांच करने का है । अतः चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु से संबंधित निर्यातकों/उत्पादकों को यह सलाह दी गई थी कि वे पैराग्राफ 8 के उप-पैरा (3) में किए गए उल्लेख के अनुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें ताकि प्राधिकारी इस बात पर विचार कर सकें कि क्या ऐसे सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया जाना चाहिए जो यह प्रदर्शित कर सकें कि उनके मामले में बाजारी स्थितियां विद्यमान हैं ।
- vi. प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना मांगने के लिए प्रश्नावली भेजी:

1. हुआ वाई इंडस्ट्रियल कंपनी लि. (जाइंटलोक)  
1048, जियांग डा रोड, झाओतुंग टाउन  
किंगडम कंट्री, शंघाई, चीन जन.गण.
2. (यीकिंग) गाउलिन (हॉक्सिन) इलेक्ट्रिक एपरेटस फैक्ट्री  
झुयांग इंडस्ट्रियल जोन,  
यीकिंग, यीचिंग, झेजियांग  
चीन जन.गण.
3. पावर इंडस्ट्री पार्ट बुक इंटरप्राइज  
जेडकेई जियांग फिनिक्स इलेक्ट्रिक पावर फिटिंग कं. लि.  
झेजियांग लुइसि जियाक्सी
4. को-टेलेंट एन लि. (सीटीएनएल)  
यूनिट सं. 4,3/एफ1/लिनफू सेन्टर,  
30, शियांग यिप स्ट्रीट  
वुन टाँग, काउलून, हांगकांग  
चाइना फैक्ट्री, मिझाउ, ग्वांगडांग  
चीन जन.गण.
5. कायगो प्लास्टिक्स मैन्यूफैक्चरिंग कं.लि.  
नं. 58, लियुले रोड, लुइसि टाउन  
वेनझाउ झेजियांग  
चीन जन.गण.

6. झेजियांग जुजिंग मीटर्स कं. लि.  
नं. 18, फेनजिन रोड  
डॉंगफोंग इंड जोन  
लुइसि टावर  
चीन जन.गण.
7. यीजिंग क्यूलिगेंग प्लास्टिक्स मैनुफैक्चरर्स कं. लि.  
हॉक्सि इंड डिस्ट्रिक्ट ह्वांगहुआ टाउन  
यीजिंग, झेजियांग  
चीन जन.गण.
8. वेनझाउ योंगजी इलेक्ट्रिक इक्विपमेंट्स  
आर नं. 2515-16, हार्बर मेन्सिऑन नं. 12 चेंगजिएंग रोड, लिआन  
चीन जन.गण.
9. वाई.वाई. केबल्स एसेसरीज कं. लि.  
88, शेंग लि रोड, जेन-द सियांग ताइवान हसि ताइवान
10. काई सुन सुह इंटरप्राइज कं. लि.  
38, येह पिंग एन. रोड, सेक.1, ताइपेई  
ताइवान, आरओसी
11. जाइंटलॉक 1,20वां रोड, ताइचुग इंड पार्क  
ताइचुग, ताइवान, आरओसी

## 12. एवीसी

नं. 248/27, शिन शेंग रोड

चिन झेन डिस्ट्रिक्ट, काओशियुंग सिटी

ताइवान

vii. चीन जन.गण. और ताइवान के किसी निर्यातक/उत्पादक ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है ।

viii. नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना हेतु संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ता एसोसिएशनों को प्रश्नावली भेजी गई थी :

1. कृष्णा इलेक्ट्रॉनिक्स  
2, दिगम्बर जैन मंदिन रोड, चौथा तल  
कोलकाता
2. आनंदी इंटरनेशनल, कोलकाता  
1, नेताई हलदर स्ट्रीट  
कोलकाता-7
3. मल्ली इम्पेक्स, चेन्नई  
145, लिंघी चेटी स्ट्रीट  
प्रथम तल,  
चेन्नई-600001
4. पीएस इंटरप्राइज, कोलकाता  
32, एजरा स्ट्रीट  
कक्ष सं. 518  
कोलकाता (पं. बंगाल)-700001
5. सुमती चंद बोथरा, कोलकाता  
32, एजरा स्ट्रीट, दूसरा तल  
कक्ष सं. 272 (एन)  
कोलकाता (पं. बंगाल)-7000001
6. वायर एंड केबल कार्पो., नई दिल्ली  
4, सोना बाजार, भगीरथ पैलेस, नई दिल्ली-110006

7. चौधरी इंटरनेशनल  
केडी-47ए, अशोक विहार  
फेज-1, नई दिल्ली-110052
8. बी.बी. कार्पोरेशन, चेन्नई  
नं. 3, डेविडसन स्ट्रीट, भूतल  
चेन्नई-600079
9. हीरावत मार्केटिंग सर्विसेज, कोलकाता  
32, एजरा स्ट्रीट,  
कक्ष सं. 518,  
कोलकाता-700001
10. जितेन्द्र कुमार मोदी  
2, दिगम्बर जैन मंदिर रोड  
चौथा तल, कोलकाता-700007
11. शाह इंटरप्राइजेज, मुंबई  
147, लोहार चाल  
तवावाला बिल्डिंग  
दूसरा तल, कक्ष सं. 45,  
मुंबई 400002
12. कृष्णा कमर्शियल कार्पो., चेन्नई  
#2, वेंकटचला  
मुदाली लेन, दूसरा तल  
चेन्नई-600003
13. प्रणव इलेक्ट्रिकल्स, वडोदरा  
मार्फत- आशीष इलेक्ट्रिकल्स एंड इलेक्ट्रॉनिक्स  
13, राजलक्ष्मी कॉम्प्लैक्स,  
ओल्ड पादरा रोड
14. मोदी इंडस्ट्रियल इंटरफेस  
82/1-2, दूसरा तल  
प्रभा मार्केट  
एएम लेन चिकपेट क्रॉस  
बंगलौर-560052

ix. उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित आयातकों/हितबद्ध पार्टियों ने अपने उत्तर दायर किए हैं :

(क) मै. पीएस इंटरप्राइज (द इलेक्ट्रिकल पीपल)  
32, एजरा स्ट्रीट -700001.

(ख) मै. हीरावत मार्केटिंग सर्विसेज, कोलकाता,  
32, एजरा स्ट्रीट, कोलकाता-700001.

(ग) मै. एनिक्सटर इंडिया प्रा.लि.,  
163, लुजचर्च रोड, म्यालापुर, चेन्नई-600004.

(घ) मै. मोदी इंडस्ट्रीयल इंटरफेस  
82/1-2, दूसरा तल, प्रभा मार्केट,  
ए.एम.लेन, चिकपेट, बंगलौर-560 053.

(ङ) मै. तालावत ट्रेडिंग कं.,  
145-एफ, एनएससी बोस रोड, चेन्नई-600079.

(च) मै. यश सिंडिकेट प्रा.लि.  
194/4, बांगुर एवेन्यू, दूसरा तल, बी ब्लॉक,  
कोलकाता-700 055.

(छ) मै. आनंदी इंटरनेशनल  
1, नेताई हलदर स्ट्रीट  
कोलकाता-700 007

(ज) मै. शेफाली इंटरप्राइजेज,  
11, युसूफ बिल्डिंग, भूतल,  
70, मंगलदास रोड, लोहार चाल,  
मुंबई-400002

x. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया कि वह जांच अवधि सहित पिछले 3 वर्षों के दौरान संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करें। डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त सूचना का वर्तमान जांच परिणामों में विश्लेषण किया गया है।

xi. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश उसके द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा। अनुरोध करने पर अगोपनीय आवेदन की एक प्रति अन्य हितबद्ध पार्टियों को भी उपलब्ध कराई गई थी।

xii. हुई क्षति की संभव सीमा तक जांच करने और आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना और सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर उत्पादन की ईष्टतम लागत तथा भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकालने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति की समाप्ति के लिए पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क पर्याप्त होगा।

xiii. नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को दिनांक 28 नवंबर, 2008 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का भी अवसर प्रदान किया। मौखिक सुनवाई में जिन हितबद्ध पार्टियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए थे उनसे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों के लिखित अनुरोध दायर करने का आग्रह किया गया था।

xiv. \*\*\* से इस विवरण में घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पता चलता है और प्राधिकारी ने उसे नियमानुसार गुण-दोष के आधार पर गोपनीय ही माना है।

xv. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2006 से 30 जून, 2007 (15 माह) की है। तथापि क्षति विश्लेषण में 1 अप्रैल, 2003 से जांच अवधि की समाप्ति तक की अवधि शामिल है।

xvi. प्राधिकारी ने पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में जांच से संगत समझी गई सूचना प्रस्तुत करने के लिए विचाराधीन उत्पाद के आयातकों/औद्योगिक प्रयोक्ताओं को अवसर प्रदान किया।

xvii. प्राधिकारी ने इस मामले में ग्राहक कीमत एवं लागत से संबंधित आंकड़ों को गोपनीय माना है क्योंकि इनके प्रकटन से अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रतिस्पर्धी लाभ मिल सकता है। घरेलू उद्योग की मात्रा से संबंधित आंकड़ों को गोपनीय नहीं माना गया है।



**ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु**

5. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद केबल टाइज हैं। केबल टाइज एक अंतर्निहित गियर रैक और एक छोटे खुले केस के भीतर एक सिर पर एक रैचेट, केबल/वायर बॉचिंग प्रणाली की एक मितव्ययी एवं परिवर्तनशील पद्धति आदि के साथ एक मजबूत नायलोन टेप होते हैं। केबल टाइज को कई नामों से जाना जाता है उदाहरणके लिए निर्मोच्य या अनिमोच्य (पुनः प्रयोज्य) टैग्स, स्ट्रैप्स, जिप टाइस, टाइरेप, रैट बेल्ट आदि और इनका अलग-अलग उपभोक्ताओं की अपेक्षानुसार विभिन्न आकारों में उत्पादन एवं बिक्री की जाती है। केबल टाइज वनपीस मोल्डेड तंत्र हैं जिनमें बांधने और स्वतः लॉकिंग यंत्र वाले धातु के कॉटे या जटिल फॉर्म नहीं होते हैं। एक बार एक नॉन-रिलिजेबल केबल टाइज को बांध दिए जाने पर इसके वापस खिंचे जाने पर इसके विपरीत होता है और इसे केवल अधिक कस कर ही बांधा जा सकता है। केबल टाइज आम तौर पर एकल उपयोग वाले डिवाइसेज होते हैं। तथापि, उपभोक्ता की मांग के अनुसार पुनः प्रयोज्य केबल टाइज का उत्पादन भी किया जाता है।

6. केबल टाइज नायलॉन की बनी होती हैं जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 39.26 के उपशीर्ष 39.2690/3926.9010 के अंतर्गत वर्गीकृत हैं। तथापि सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

7. आवेदक ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई खास अंतर नहीं है और पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर ये समान वस्तुएं हैं। यह उल्लेख किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में संबद्ध देश से आयातित वस्तु से तुलनीय हैं। दोनों का उपयोग तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से अदल-बदल कर किया जाता है और इनमें अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हैं। यह दावा किया गया है कि उपभोक्ताओं द्वारा दोनों का अदल-बदलकर उपयोग किया गया है।

8. प्रतिवादी आयातकों ने दावा किया है कि चीन जन.गण. तथा ताइवान से निर्यातित संबद्ध वस्तु तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु में संबंधित गुणवत्ताओं के अनुसार अंतर है। इन हितबद्ध पार्टियों से विशेष तौर पर यह कहा गया है कि वे अपने दावे की पुष्टि के लिए संगत सूचना उपलब्ध कराएं। तथापि, इन हितबद्ध पार्टियों ने विधिकत पुष्टीकृत कोई दावा नहीं किया है।

**ग. घरेलू उद्योग एवं आधार**

9. यह पाटनरोधी जांच नियमावली के नियम 5 के अनुसार मै. श्योरलॉक प्लास्टिक्स प्रा. लि., मुंबई द्वारा प्रस्तुत विधिवत पुष्टीकृत अनुरोध के आधार पर शुरू की गई है। आवेदक ने दावा किया है कि भारत में संबद्ध वस्तु के चार और उत्पादक हैं, अर्थात् मै. माइक्रोसाइन प्रोडक्ट्स, भावनगर, मै. नोवाप्लेक्स मार्केटिंग प्रा.लि., कोलकाता; मै. ब्लैकबर्न एंड कंपनी प्रा.लि., 24,

10. परगना (दक्षिण), पश्चिम बंगाल और मै. फ्ल्यूकोन इंटरप्राइजेज, मुंबई जिनमें दो विचाराधीन उत्पाद के आयातक हैं और तदनुसार ऐसे उत्पादकों को नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग का भाग न माना जाए ।

10. रिकार्ड में उपलब्ध सूचना से इस बात की पुष्टि होती है कि आवेदक का संबद्ध वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का 81% से अधिक हिस्सा बनता है और वह उपर्युक्त नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है (क्योंकि आवेदक कंपनी का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक है) । आवेदक के दावे और आधार का खंडन करते हुए किसी भी हितबद्ध पार्टी से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है । जांच से यह पता नहीं चला है कि आवेदक आधार संबंधी अपेक्षा को पूरा नहीं करता है अथवा आवेदक घरेलू उद्योग नहीं है ।

#### घ. पाटन मार्जिन

##### घ.1 निर्धारण की कार्यप्रणाली

11. चीन जन.गण. और ताइवान के किसी उत्पादक/निर्यातक से कोई उत्तर नहीं मिला है । संबद्ध देश के निर्यातकों से असहयोग को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर जांच परिणाम दर्ज किए हैं ।

##### घ.2 चीन जन.गण. और बाजार अर्थव्यवस्था के दावों की जांच

###### घ.2.1. घरेलू उद्योग के विचार

12. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि चीन जन.गण. एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और इसलिए चीन जन.गण. के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार करना अपेक्षित है ।

###### घ.2.2 अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

13. चीन की कंपनियों की निविष्टि, श्रम की कम लागत तथा उन्हें प्रदत्त अन्य सहायता को ध्यान में रखते हुए भारत की तुलना में उनकी उत्पादन लागत आम तौर पर काफी कम हैं । याचिकाकर्ता की उत्पादन लागत अधिक है और उसे अपनी उत्पादन लागत कम करने का निर्देश दिया जाना चाहिए । याचिकाकर्ता की तुलना में विदेशी उत्पादकों का प्रचालन स्तर काफी उच्च है जिससे उनका प्रचालन किफायती रहता है ।

### घ.2.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

14. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में चीन जन.गण. को डब्ल्यूटीओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। चीन जन.गण. के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्राधिकारी का उत्तर नहीं दिया है। चीन के किसी निर्यातक/उत्पादक द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के व्यवहार हेतु कोई दावा नहीं किया गया है अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 और 8(2) के अनुसार चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। प्राधिकारी ने यह भी नोट किया है कि किफायती प्रचालनों का तर्क देते समय हितबद्ध पार्टियों ने अपने दावे की पुष्टि हेतु सत्यापन योग्य कोई साक्ष्य नहीं दिया है। इसके अलावा, चीन जन.गण. के किसी निर्यातक/उत्पादक ने हितबद्ध पार्टियों के दावे की पुष्टि हेतु प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है।

### घ.3 सामान्य मूल्य

15. संबद्ध देशों के किसी भी निर्यातक ने उनके देशों में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य और निर्यातक कीमत का निर्धारण करने के लिए जांच में सहयोग नहीं दिया है ताकि उनके देशों में सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत का निर्धारण किया जा सके। प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि किफायती प्रचालनों का तर्क देते समय हितबद्ध पार्टियों ने अपने दावे की पुष्टि हेतु सत्यापन योग्य कोई साक्ष्य नहीं दिया है। चीन जन.गण. के किसी निर्यातक/उत्पादक ने हितबद्ध पार्टियों के दावे की पुष्टि हेतु प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता कंपनी के परिसरों की मौके पर जांच के दौरान उत्पादन प्रक्रिया तथा विनिर्माण प्रौद्योगिकी की जांच की है और यह नोट किया है कि विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन प्रक्रिया में पर्याप्त उत्पादन प्रौद्योगिकी अथवा विनिर्माण प्रक्रिया शामिल नहीं होती है। इस आशय का कोई साक्ष्य नहीं है कि प्रचालन स्तर से प्रचालन लागत में पर्याप्त अंतर आ सकता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन का निर्धारण करार के अनुच्छेद 6.8 के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है।

16. प्रारंभिक जांच परिणामों का उत्तर देते समय याचिकाकर्ता ने यह तर्क दिया था कि संबद्ध वस्तु के उत्पादन के लिए विशिष्ट प्रकार के नॉयलान चिप्स की जरूरत होती है। याचिकाकर्ता ने उसके द्वारा खरीदी गई नायलॉन चिप्स के बारे में खरीद बीजक उपलब्ध कराए हैं और यह तर्क दिया है कि संबद्ध वस्तु के उत्पादन में सभी प्रकार की नायलॉन चिप्स की खपत नहीं हो सकती है। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया है कि प्राधिकारी को सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु अलग-अलग प्रकार के नायलान चिप्स की भारित औसत कीमत स्वीकार नहीं करनी चाहिए। प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि याचिकाकर्ता ने अपने दावे के समर्थन में कोई पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है और इसलिए प्रारंभिक जांच परिणामों में भारित औसत कीमत अपनाई गई है।\*

### घ 3.1 चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य

17. चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन समुद्री भाड़े, और समुद्री बीमा के लिए विधिवत समायोजित प्रमुख कच्ची सामग्री (नायलॉन) की अंतर्राष्ट्रीय कीमत के आधार पर किया

गया है । विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रयुक्त नायलॉन चिप्स के संबंध में दिए गए पुष्टीकृत साक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने उत्पाद के तुलनीय ग्रेड हेतु कच्ची सामग्री की कीमत पर विचार किया है । अन्य कच्ची सामग्री, परिवर्तन लागत, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय को 5% के लाभ मार्जिन (ब्याज को छोड़कर) के साथ घरेलू उद्योग के उत्पादन लागत के अनुसार स्वीकार किया गया है । चीन जन.गण. के मामले में इस प्रकार परिकलित सामान्य मूल्य का निर्धारण \*\*\* रू./किग्रा. (44.93 रू./अम.डा. की दर से \*\*\* अम.डॉ./कि.ग्रा.) किया गया है ।

### घ.3.2 ताइवान में सामान्य मूल्य

18. ताइवान के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन समुद्री भाड़े, और समुद्री बीमा के लिए विधिवत समायोजित प्रमुख कच्ची सामग्री (नायलॉन) की अंतर्राष्ट्रीय कीमत के आधार पर किया गया है । विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रयुक्त नायलॉन चिप्स के संबंध में दिए गए पुष्टीकृत साक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने उत्पाद के तुलनीय ग्रेड हेतु कच्ची सामग्री की कीमत पर विचार किया है । अन्य कच्ची सामग्री, परिवर्तन लागत, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय को 5% के लाभ मार्जिन (ब्याज को छोड़कर) के साथ घरेलू उद्योग के उत्पादन लागत के अनुसार स्वीकार किया गया है । ताइवान के मामले में इस प्रकार परिकलित सामान्य मूल्य का निर्धारण \*\*\* रू./किग्रा. (44.93 रू./अम.डा. की दर से \*\*\* अम.डॉ./कि.ग्रा.) किया गया है ।

### घ.4 निर्यात कीमत

19. जांच अवधि और पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए डीजीसीआईएंडएस से सौदे-वार आंकड़े मांगे गए हैं । डीजीसीआई एंड एस से जांच अवधि के लिए सौदे-वार आंकड़े प्राप्त हुए हैं जिनमें संबद्ध वस्तु के भार के बारे में कुछ विसंगतियां पाई गई हैं । डीजीसीआईएंडएस से संबद्ध वस्तु के भार के साथ सौदे-वार आंकड़े उपलब्ध कराने का पुनः अनुरोध किया गया था । डीजीसीआईएंड एस से प्राप्त संशोधित आंकड़ों में यद्यपि संबद्ध वस्तु से सकल भार का पता चलता है लेकिन निवल भार प्रदर्शित नहीं होता है और तदनुसार उनसे प्रति इकाई निर्यात कीमत का पता नहीं चलता है । डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों से यह देखा गया है कि गौण स्रोतों से उपलब्ध आंकड़ों की तुलना में संबद्ध वस्तु की औसत निर्यात कीमत प्रति किग्रा. काफी कम है । यह भी नोट किया गया है कि प्रतिवादी आयातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना गौण स्रोत के आंकड़ों में उपलब्ध है । अतः सीआईएफ/निर्यात कीमत निकालने के लिए प्राधिकारी ने गौण स्रोतों से उपलब्ध आंकड़ों पर विचार किया है । मौखिक सुनवाई के समय प्रतिवादी आयातकों ने यह तर्क दिया था कि आयात कीमतें घरेलू उद्योग द्वारा उल्लिखित कीमतों से काफी अधिक हैं । प्राधिकारी ने नोट किया है कि निर्यात कीमत भारत में विचाराधीन उत्पाद के ज्ञात आयातों के आधार पर निकाली गई है । यह नोट किया गया है कि कुछ हितबद्ध पार्टियों ने उच्चतर कीमतों पर वस्तु का आयात किया है जबकि काफी कम कीमत पर भी आयात हुए हैं और तदनुसार प्राधिकारी ने कम कीमत तथा उच्च कीमत पर हुए आयात सहित सभी आयातों के भारित औसत के आधार पर आयात कीमत पर विचार किया है ।

20. सीआईएफ निर्यात कीमत क्रमशः चीन जन.गण. के मामले में \*\*\* रु./किग्रा. और ताइवान के मामले में \*\*\* रु./किग्रा. निर्धारित की गई है। घरेलू उद्योग द्वारा समुद्री भाड़े और समुद्री बीमा के लिए उपलब्ध कराए गए कीमत समायोजनों पर विचार करने के बाद कारखाना निर्यात कीमत क्रमशः चीन जन.गण. के लिए \*\*\* रु./किग्रा. (\*\*\*) अम.डॉ.) और ताइवान के लिए \*\*\* रु./किग्रा. (\*\*\*) अम.डॉ.) निर्धारित की गई है। (44.93 रु. की दर से 1 अम.डॉ. मानते हुए)

#### घ. 5 पाटन मार्जिन

21. पाटन मार्जिन के ब्यौरे निम्नानुसार हैं:

	चीन जन.गण.		ताइवान	
	रु./किग्रा.	अम.डॉ./किग्रा.	रु./किग्रा.	अम.डॉ./किग्रा.
सामान्य मूल्य	***	***	***	***
निर्यात कीमत	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	***	***	***	***
पाटन मार्जिन % रेंज	340-350	340-350	105-115	105-115

#### ड. क्षति निर्धारण

22. प्राधिकारी ने निम्नलिखित पैराग्राफों में घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच की है।

##### ड.1 क्षति मापदंडों की जांच

##### ड.1.1 घरेलू उद्योग के विचार

23. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि संबद्ध देशों अर्थात् चीन जन.गण. और ताइवान से आयातों के हिस्से में न केवल कुल आयातों के संबंध में वृद्धि हुई है अपितु आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में जांच अवधि के दौरान कुल मांग और कुल उत्पादन की तुलना में भी वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों से घरेलू कीमतें प्रभावित हुई हैं और जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती एवं कम कीमत पर बिक्री भी अधिक रही है। क्षति एवं जांच अवधि के दौरान बाजार हिस्से, क्षमता उपयोग, लाभप्रदता, निवेश पर आय, नकद प्रवाह, वृद्धि आदि में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि हुई है लेकिन बिक्री में हुई यह वृद्धि मांग में हुई वृद्धि से कम रही है। चीन जन.गण. और ताइवान दोनों से पाटन मार्जिन क्षति अवधि के दौरान काफी अधिक रहा है।

##### ड.1.2 अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

24. कुछ आयातकों ने यह दावा किया है कि याचिकाकर्ता की उत्पादन लागत काफी अधिक है और यह कि प्राधिकारी याचिकाकर्ता को अपनी उत्पादन लागत घटाने का निर्देश दें। यह भी दावा

किया गया था कि याचिकाकर्ता के पास अपर्याप्त प्रक्रिया है, किफायती उत्पादन नहीं है, उसके द्वारा कच्ची सामग्री की उच्च उत्पादन लागत अधिक है ।

## ड.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

25. प्राधिकारी ने हितबद्ध पार्टियों द्वारा अपने अनुरोधों में दिए गए विभिन्न तर्कों को नोट किया है ।

### ड.2.1 संचयी निर्धारण

26. अनुबंध-II के पैरा (iii) के अनुसार जहां एक से अधिक देशों से हुए किसी उत्पाद के आयातों की साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही हो, वहां प्राधिकारी के लिए केवल उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करना अपेक्षित होता है जब वह यह निर्धारित करे कि (क) प्रत्येक देश से हुए आयातों के संबंध में स्थापित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों की 3% है तथा (ख) आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है । प्राधिकारी ने नोट किया है कि-

- i) प्रत्येक संबद्ध देश के बारे में पाटन मार्जिन 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा भी 3% से अधिक है ।
- ii) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात एक समान टैरिफ वर्गीकरण के अंतर्गत किया गया है ।
- iii) आयातित संबद्ध वस्तु घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु का वाणिज्यिक स्थानापन्न है ।
- iv) प्राधिकारी ने आगे यह नोट किया है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों की मात्रा में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक वृद्धि हुई है ।

27. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि आयातित उत्पाद और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु पर संबद्ध वस्तु के आयातों का प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है ।

28. पाटनरोधी अधिनियम के अनुच्छेद 3.1 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में (क) पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान उत्पाद की कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव ताकि इस बात की जांच की जा सके कि क्या आयातों में समग्र रूप से अथवा आयातक सदस्य के उत्पादन अथवा खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है । जहां तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में पर्याप्त कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में महत्वपूर्ण

स्तर तक कमी करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी मात्रा में बढ़ गई होती।

29. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के प्रभाव और उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, कीमत और लाभप्रदता आदि पर प्रभाव की जांच की है ताकि क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की जांच की जा सके।

30. चूंकि संबद्ध देश से हुए निर्यातों के लिए सकारात्मक पाटन मार्जिन की पुष्टि की गई है इसलिए संबद्ध देश से हुए सभी निर्यातों को क्षति विश्लेषण या कारणात्मक संबंध की जांच के प्रयोजनार्थ पाटित आयात माना जा रहा है। प्राधिकारी ने यह पाया है कि:

(क) चीन जन.गण. से आयातों में समग्र रूप से वृद्धि हुई है क्योंकि इनमें आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान चार गुने से अधिक वृद्धि हुई है। क्षति अवधि में आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

(ख) ताइवान से आयातों में भी समग्र रूप में वृद्धि हुई है। जांच अवधि के दौरान आयात आधार वर्ष के दौरान हुए आयातों के दो गुने से अधिक हुए हैं और क्षति अवधि में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

(ग) आयातों में समग्र रूप में हुई वृद्धि से इनके बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है।

## च.1 मात्रात्मक प्रभाव

### च.1.1 आयात की मात्रा और बाजार हिस्सा:

31. आवेदक ने इन्फो ड्राइव द्वारा प्रदत्त सौदे-वार आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। इन्फो ड्राइव द्वारा प्रदत्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक संबद्ध देशों से हुए आयातों में 152% की वृद्धि हुई है। जांच अवधि के दौरान चीन जन.गण. से हुए आयातों का कुल आयातों में से 30% हिस्सा रहा है। जांच अवधि के दौरान चीन से हुए आयातों का हिस्सा कुल आयातों में 64% रहा है।

32. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा अन्य गौण स्रोतों (अर्थात् इन्फो ड्राइव, मुंबई) से उपलब्ध कराए गए आयात संबंधी आंकड़ों की जांच की है। संबद्ध देशों से आयात की मात्रा निम्नानुसार रही है:

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
विवरण -						
चीन जन.गण.	मी.ट.	29	13	15	152	122
ताइवान	मी.ट.	122	92	169	323	258
कुल संबद्ध देश	मी.ट.	151	105	184	475	380

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	70	122	251	251
आयात - अन्य देश	मी.ट.	-	3	-	28	23
कुल आयात	मी.ट.	151	108	184	503	403
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	72	122	267	267

33. उपर्युक्त से यह स्पष्ट हो जाता है कि संबद्ध देशों से आयातों में समग्र रूप में वृद्धि हुई है और इनमें आधार वर्ष 2003-04 से जांच अवधि तक 167% की वृद्धि हुई है।

34. भारत में केबल टाइज की मांग का निर्धारण गौण स्रोतों से उपलब्ध आयात संबंधी आंकड़े और घरेलू उद्योग की बिक्री से किया गया है जो निम्नानुसार है:-

मांग		2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***	***
आयात- संबद्ध देश	मी.ट.	151	105	184	475	380
आयात-अन्य देश	मी.ट.	-	3	-	28	23
कुल मांग	मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	137	304	244

35. प्राधिकारी ने नोट किया है कि उत्पाद की मांग में आधार वर्ष 2003-04 से जांच अवधि तक 144% की सीमा तक वृद्धि हुई है।

## च.2 घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव

36. घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच (क) कीमत कटौती (ख) कम कीमत पर बिक्री (ग) कीमत ह्रास और (घ) कीमत न्यूनीकरण के संबंध में की गई है जो निम्नानुसार है:-

### च.2.1 कीमत कटौती

37. समूची क्षति अवधि और जांच अवधि के दौरान प्रत्येक संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण कीमत कटौती काफी अधिक हुई है जिसका ब्यौरा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:



(रु./किग्रा.)

	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि	जाँच-अवधि वार्षिकीकृत
निचल बिक्री प्राप्तियों	***	***	***	***	***
आयातों का पहुँच मूल्य					
चीन जन.गण.	***	***	***	***	***
ताइवान	***	***	***	***	***
संबद्ध देश	***	***	***	***	***
कीमत कटौती रु./किग्रा.					
चीन जन.गण.	***	***	***	***	***
ताइवान	***	***	***	***	***
संबद्ध देश	***	***	***	***	***
कीमत कटौती (%) रेंज					
चीन जन.गण.	80-90	80-90	80-90	70-80	70-80
ताइवान	50-60	55-65	60-70	50-60	50-60
संबद्ध देश	60-70	60-70	60-70	55-65	55-65

**च.2.2 कम कीमत पर बिक्री:**

38. पाटित आयातों के कारण कम कीमत पर बिक्री निम्नानुसार है:

क्षतिरहित कीमत रु./किग्रा.	***
पहुँच कीमत-चीन जन.गण. रु./किग्रा.	***
कम कीमत पर बिक्री-चीन जन.गण. रु./किग्रा.	***
कम कीमत पर बिक्री (%) रेंज	355-365
क्षतिरहित कीमत रु./किग्रा.	***
पहुँच कीमत-ताइवान रु./किग्रा.	***
कम कीमत पर बिक्री - ताइवान रु./किग्रा.	***
कम कीमत पर बिक्री (%) रेंज	120-130
क्षतिरहित कीमत रु./किग्रा.	***
पहुँच कीमत-संबद्ध देश रु./किग्रा.	***
कम कीमत पर बिक्री-संबद्ध देश रु./किग्रा.	***
कम कीमत पर बिक्री (%)	180-190

12/09/09-5

12/09/09-3

### च.2.3 कीमत ह्रास एवं कीमत न्यूनीकरण:

39. पाटित आयातों के कीमत ह्रासकारी/न्यूनकारी प्रभाव की जांच भी निम्नलिखित तालिका के अनुसार बिक्री लागत, निवल बिक्री प्राप्ति और संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य के संदर्भ में की गई है:-

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
बिक्री की लागत	रू./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	136	150	150
निवल बिक्री प्राप्ति	रू./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	112	114	114
पहुंच कीमत - चीन	रू./किग्रा.	***	***	***	***	***
पहुंच कीमत - ताइवान	रू./किग्रा.	***	***	***	***	***

40. प्राधिकारी ने नोट किया है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की बिक्री लागत और निवल बिक्री प्राप्ति दोनों में वृद्धि हुई है। तथापि, बिक्री प्राप्ति में वृद्धि बिक्री लागत में हुई वृद्धि से कम रही है। घरेलू उद्योग पाटित आयातों द्वारा बिक्री लागत में हुई वृद्धि के अनुरूप कीमत बढ़ाने से वंचित हुआ है। इस प्रकार यद्यपि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वृद्धि हुई है तथापि यह वृद्धि बिक्री लागत में हुई वृद्धि से काफी कम रही है।

### च.2.4 क्षति संबंधी अन्य मापदंडों की जांच

41. प्राधिकारी ने विभिन्न आर्थिक कारकों और घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले संकेतकों के संबंध में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव से संबंधित निम्नलिखित सूचना को नोट किया जिसका विवरण निम्नानुसार है:

#### (i) बिक्री मात्रा:

बिक्री मात्रा		2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	वार्षिकीकृत
घरेलू	मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	139	161	255	104
कुल मांग	मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	137	304	244

42. प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू बिक्री की मात्रा वर्ष 2003-04 में \*\*\* मी.टन से बढ़कर जांच अवधि में \*\*\* मी.टन हो गई है जिसमें 104% की वृद्धि हुई है जैसा कि उपर्युक्त तालिका में दर्शाया गया है। तथापि, जहां मांग में 144% की वृद्धि हुई है वहीं घरेलू उद्योग की बिक्री में केवल 104% की वृद्धि हुई है।

(ii) बाजार हिस्सा और मांग

मांग		2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***	***
चीन जन.गण. से आयात	मी.ट.	29	13	15	152	122
ताइवान से आयात	मी.ट.	122	92	169	323	258
आयात-संबद्ध देश	मी.ट.	151	105	184	475	380
आयात-अन्य देश	मी.ट.	0	3	0	28	23
कुल मांग	मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	137	304	244
<b>मांग में बाजार हिस्सा</b>						
चीन जन.गण.	%	12	6	5	21	21
ताइवान	%	51	39	51	44	44
संबद्ध देश	%	63	45	56	65	65
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	71	89	103	103
अन्य देश	%	-	1	-	4	4
घरेलू उद्योग	%	37	54	44	31	31
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	145	119	84	84

43. प्राधिकारी ने नोट किया है कि बिक्री में वृद्धि मांग में हुई बढ़ोत्तरी से कम रही है। क्षति अवधि के दौरान संबद्ध पाटित आयातों का बाजार हिस्सा 83% से बढ़कर 65% हो गया और घरेलू उद्योग का हिस्सा इसी अवधि के दौरान आधार वर्ष में 37% से घटकर 31% हो गया। वर्ष 2003-04 में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 37% था जो वर्ष 2004-05 में बढ़कर 54% हो गया। वर्ष 2005-06 में यह घटकर 44% और जांच अवधि में आगे और घटकर 31% हो गया जबकि संबद्ध वस्तु की मांग में वर्ष 2003-04 से जांच अवधि तक 144% की वृद्धि हुई है।

(iii) उत्पादन एवं क्षमता उपयोग

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
स्थापित क्षमता	मी.ट.	***	***	***	***	***
स्थापित क्षमता (सूचीबद्ध)	मी.ट.	100	100	220	275	220

उत्पादन	मी.ट.	***	***	***	***	***
उत्पादन (सूचीबद्ध)		100	133	183	226	226
क्षमता उपयोग		***	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	134	83	102	103

44. घरेलू उद्योग की क्षमता वर्ष 2003-04 से जांच अवधि में बढ़कर 120% हो गई और इसी अवधि के दौरान क्षमता उपयोग वर्ष 2003-04 में 71% से बढ़कर 73% हो गया ।

(iv) उत्पादकता और रोजगार:

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
उत्पादन	मी.ट.	***	***	***	***	***
उत्पादन (सूचीबद्ध)		100	133	183	226	226
कर्मचारी	नग	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)		100	113	120	133	133

45. प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता और रोजगार में कोई गिरावट नहीं आई है ।

(v) मालसूची:

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
औसत मालसूची	मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)		100	75	140	130	130

46. प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग की मालसूची वर्ष 2003-04 में 100 से बढ़कर जांच अवधि में 130 हो गई है ।

(vi) नकद प्रवाह

नकद लाभ		2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
लाभ/हानि	रु./लाख	***	***	***	***	***
मूल्यहास	रु./लाख	***	***	***	***	***
नकद लाभ	रु./लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	129	113	86	69

47. प्राधिकारी ने नोट किया है कि नकद लाभ वर्ष 2003-04 में 100 से घटकर जांच अवधि में 69 हो गया है।

(vii) मजदूरी:

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
		***	***	***	***	***
मजदूरी	रु./लाख					
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	153	168	288	230

48. अधिकारी ने नोट किया है कि उत्पादन की प्रति इकाई पर प्रदत्त मजदूरी में मामूली वृद्धि हुई है।

(viii) वृद्धि:

49. प्राधिकारी ने नोट किया है कि उत्पादन एवं बिक्री मात्रा के संबंध में घरेलू उद्योग की बिक्री सकारात्मक रही है जबकि बाजार हिस्से से लाभप्रदता निवेश पर आय तथा नकद लाभ के संबंध में यह नकारात्मक रही है।

(ix) पूंजी या निवेश जुटाने की क्षमता:

50. प्राधिकारी ने नोट किया है कि लगाई गई पूंजी पर आय में कमी के कारण निवेशों पर पूंजी जुटाने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

(x) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक:

51. अधिकारी ने नोट किया है कि क्षति अवधि के दौरान बिक्री लागत में 50% की वृद्धि हुई जबकि बिक्री प्राप्ति में केवल 14% की वृद्धि हुई और घरेलू उद्योग बिक्री लागत के अनुरूप बिक्री कीमत बढ़ाने में असमर्थ रहा है।

(xi) पाटन मार्जिन की मात्रा:

52. अलग-अलग देशों से पाटन मार्जिन 2% के न्यूनतम स्तर से काफी अधिक रहा है।

**च 3 प्राधिकारी द्वारा जांच**

53. उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी ने नोट किया है कि:

क. संबंधित देशों से संबंधित वस्तु के पाटित आयातों की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि हुई है और इसमें समग्र रूप में और भारत में कुल आयात, मांग और घरेलू उत्पादन के संबंध में वृद्धि हुई है।

- ख. घरेलू उद्योग की मांग में बाजार हिस्से में गिरावट आई है जबकि आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है ।
- ग. कच्ची सामग्री की लागत और उत्पादन लागत में वृद्धि के बावजूद क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की सीआईएफ आयात कीमत और पहुंच कीमत में गिरावट आई ।
- घ. संबद्ध देशों से हुए आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और क्षति रहित कीमत से काफी कम थी जिसके परिणामस्वरूप अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हुई । इससे घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा ।
- ङ. संबद्ध देशों से कीमत कटौती और कच्ची सामग्री की लागत में वृद्धि के परिणामस्वरूप बाजार में कीमत का हास हुआ । घरेलू उद्योग लागत में हुई वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमत बढ़ाने में समर्थ नहीं था ।
- च. अत्यधिक सकारात्मक कीमत कटौती और घरेलू उद्योग के समक्ष परिणामी कीमत हास की समस्या के परिणामस्वरूप लाभ, नकद प्रवाह और निवेश पर आय में गिरावट आई ।
- छ. इस अवधि के दौरान यद्यपि घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई तथापि यह वृद्धि घरेलू उद्योग के पास उत्पादन क्षमता और देश में मांग में हुई वृद्धि से काफी कम थी ।
- ज. घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट आई ।
- झ. संबद्ध देशों के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक है ।

#### छ. कारणात्मक संबंध:

54. प्राधिकारी ने पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अनुसार और यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के नियम 11 के अंतर्गत अनुबंध-II के पैरा (v) के अनुसार घरेलू उद्योग को हुई क्षति के कारण के बारे में अपने निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए समस्त ज्ञात कारकों के प्रभाव और घरेलू उद्योग की स्थिति पर उसके परिणामों की जांच की है । पाटित आयातों से भिन्न ज्ञात कारकों जिनसे उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, की भी जांच की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन अन्य कारकों से हुई संभावित क्षति का कारण पाटित आयातों को नहीं माना गया है ।

#### छ.1. अन्य ज्ञात करक एवं कारणात्मक संबंध

55. प्राधिकारी ने नियमों में दिए गए प्रावधानों के अनुसार कारणात्मक संबंध एवं अहेतुकारी कारकों की भी जांच की है ताकि अन्य कारकों से क्षति, यदि कोई हो, को अलग किया जा सके । इस संबंध में नियमों में निर्धारित निम्नलिखित संकेतक कारकों की जांच की गई है ।

क. तीसरे देशों से हुए आयात: संबद्ध देशों से हुए आयातों की तुलना में अन्य देशों से संबद्ध वस्तु के आयात नगण्य रहे हैं और ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि अन्य देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है ।

ख. मांग में कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन: यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान मांग में कोई कमी नहीं आई है और मांग की पद्धति में भी कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है । इसके विपरीत संबद्ध वस्तु की समग्र मांग में वृद्धि हुई है और खपत की पद्धति विचाराधीन उत्पाद के पक्ष में परिवर्तित हो रही है । अतः मांग में संभावित गिरावट ऐसा कोई कारक प्रतीत नहीं होता है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो और ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि खपत की पद्धति से घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो ।

ग. व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और प्रतिस्पर्धा की स्थितियाँ: प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय उत्पादक और अन्य प्रतिस्पर्धी उद्योगों द्वारा अपनाया गया कोई ऐसा व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार अथवा प्रतिस्पर्धा की कोई अन्य स्थिति नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो ।

घ. प्रौद्योगिकी:- क्षति अवधि के दौरान प्रौद्योगिकी में ऐसा कोई खास परिवर्तन प्रतीत नहीं हुआ है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है । इसके अलावा, किसी भी हितबद्ध पार्टी ने ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि प्रौद्योगिकी घरेलू उद्योग को हुई क्षति का एक कारण है ।

ङ. निर्यात निष्पादन:- घरेलू उद्योग ने जांच अवधि और पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यात निष्पादन में सुधार प्रदर्शित हुआ है और यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं रहा है ।

च. उत्पादकता: क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है और इसलिए यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं हो सकती है ।

#### ज. क्षति की मार्जिन मात्रा

56. घरेलू उद्योग ने यह उल्लेख किया है कि प्रारंभिक जांच परिणामों के लिए क्षति रहित कीमत निकालते समय वर्ष 2007-08 के वार्षिक लेखाओं को अंतिम रूप प्रदान नहीं किया गया है और संबद्ध वस्तु के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण वर्ष 2006-07 के लेखापरीक्षित लेखों तथा वर्ष 2007-08 की अंतिम तिमाही के लिए अनंतिम वित्तीय विवरणों के आधार पर किया गया है क्योंकि याचिकाकर्ता को तिमाही वित्तीय परिणाम तैयार करने की जरूरत नहीं है । अतः याचिकाकर्ता द्वारा पूर्व में उपलब्ध कराए गए अनंतिम वित्तीय परिणामों में वर्ष 2007-08 के लिए अधिकांश ऊपरी व्यय का पता नहीं चलता है और अनंतिम जांच परिणामों के लिए क्षतिरहित कीमत में वर्ष 2006-07 और अप्रैल 07-जून, 07 (पन्द्रह माह) के लिए ऊपरी व्यय को हिसाब में लिया जाए । प्रारंभिक जांच परिणामों के समय क्षतिरहित कीमत का निर्धारण वर्ष 2006-07 की अवधि के लिए लेखा परीक्षित वार्षिक रिपोर्ट और 30 जून, 2007 को समाप्त तिमाही की विधिवत प्रमाणित अनंतिम वार्षिक रिपोर्ट के आधार पर विधिवत सत्यापित आंकड़ों के अनुसार किया गया है । यह बात जानकारी में लाई गई है कि अधिकांश ऊपरी व्यय वार्षिक आधार पर

दर्ज किए जाते हैं और तदनुसार प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा इस चरण पर किए गए अनुरोध में कोई दम नहीं है और वह घरेलू उद्योग द्वारा पूर्व में प्रस्तुत सूचना के आधार पर निर्धारित क्षतिरहित कीमत से सहमत हैं।

57. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षतिरहित कीमत की तुलना गौण स्रोत से उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर निर्धारित औसत पहुंच मूल्य के साथ की गई है और क्षति मार्जिन का निर्धारण निम्नलिखित तालिका के अनुसार किया गया है :

**अ. क्षति मार्जिन की गणना**

विवरण	इकाई	चीन जन.गण	ताइवान
क्षति रहित कीमत	रु./प्रति किग्रा.	***	***
पहुंच मूल्य	रु./प्रति किग्रा.	***	***
क्षति मार्जिन	रु./प्रति किग्रा.	***	***
क्षति मार्जिन रेंज	%	355 - 365	120-130

**अ. प्रकटन विवरण पर टिप्पणियां**

58. घरेलू उद्योग ने यह उल्लेख किया है कि केवल टाइज के अनेक आकार और प्रकार हैं और उत्पाद के उचित भाग के संबंध में दावे अत्यधिक तथ्यपरक बन सकते हैं क्योंकि सीमाशुल्क पतन प्राधिकारियों के लिए उत्पाद के प्रत्येक प्रकार के वजन का सत्यापन करना व्यवहार्य नहीं है। यह भी उल्लेख किया गया है कि किसी परेषण के भार का सही मूल्यांकन करना सीमाशुल्क पतन प्राधिकारियों के लिए भागीरथी प्रयास है और उन्होंने शुल्क की निर्धारित राशि के संबंध में निश्चयात्मक शुल्क की सिफारिश का अनुरोध किया है ताकि घरेलू उद्योग जीवित रह सके। घरेलू उद्योग ने विट्रीफाइट टाइलों के मामले में सेस्टेट के निर्णयों का भी हवाला दिया है जिनमें प्रारंभिक जांच परिणामों में परिवर्ती रूप से पाटनरोधी शुल्क के परिवर्तन को उनके अनुरोध के समर्थन में अंतिम जांच परिणामों में निर्धारित राशि में संशोधित किया गया है। घरेलू उद्योग ने भारतीय रूप में भारी गिरावट के मद्देनजर अम.डॉ. में शुल्क की सिफारिश करने का भी अनुरोध किया है।

59. प्रकटन विवरण पर किसी भी हितबद्ध पार्टी से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है।

**अ.1 प्राधिकारी द्वारा जांच:**

60. घरेलू उद्योग का यह तर्क कि किसी परेषण के सही भार का निर्धारण सीमाशुल्क पतन प्राधिकारियों के लिए भागीरथी प्रयास है और पतन सीमाशुल्क प्राधिकारियों के लिए उत्पाद के प्रत्येक प्रकार के भार का सत्यापन करना व्यवहार्य नहीं है, आधारहीन है और प्राधिकारी ने यह माना है कि निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क के लिए घरेलू उद्योग के अनुरोध में कोई वैध आधार नहीं है क्योंकि शुल्क की सिफारिश भार के आधार पर की गई है और सीमाशुल्क पतन प्राधिकारियों को भार का सत्यापन करना होगा भले ही लगाया गया शुल्क किसी प्रकार का हो। इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू मांग में संबद्ध देशों का हिस्सा वर्ष 2003-04 में 63% से बढ़कर जांच अवधि में 65% हो गया है जिसमें केवल 2% की वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग का हिस्सा वर्ष 2003-04 में 37% से घटकर जांच अवधि में 31% हो गया जिसमें केवल 6% की गिरावट आ गई है। इसके अलावा, यद्यपि, संबद्ध देशों से पहुंच कीमत काफी कम रही है, तथापि घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है और तदनुसार प्रारंभिक जांच परिणामों में संस्तुत संदर्भ कीमत शुल्क अंतिम जांच



परिणामों के लिए भी उचित है। तथापि, प्राधिकारी ने यह पाया है कि अमरीकी डॉलर में शुल्क की राशि का उल्लेख करने के बारे में अनुरोध उचित है और वह उससे सहमत है।

#### ट. अंतिम जांच परिणाम:

61. उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर और हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना और किए गए अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए तथा रिकॉर्डों में उपलब्ध तथ्यों से प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- (क) संबद्ध देशों से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- (ग) यह क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है।

#### ठ. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके, जो कि देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

63. प्राधिकारी स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लागू करने से संबद्ध वस्तुओं तथा संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है और इसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर भी कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी खासकर तब जब पाटनरोधी शुल्क के उद्ग्रहण को घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित कर दिया जाएगा। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू करने से पाटन पद्धतियों से प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का हास रुकेगा और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को उनकी पसंद की वस्तुओं की उपलब्धता बनाए रखने में सहायता मिलेगी। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आएगी, अतः उपभोक्ताओं के लिए इस उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

#### ड. सिफारिशें

64. प्राधिकारी ने नोट किया है कि जांच की सुझाव कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पार्टियों को प्रदान की गई थी और निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रत्यक्ष क्षति एवं कारणात्मक

137467/09-4

संबंध में जारी में सकारात्मक सूचना उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त समय प्रदान किया गया था। प्रारंभिक जांच परिणामों में प्राधिकारी ने जांच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति की भरपाई हेतु दिनांक 23.9.2008 के संप्रसंगिक प्रारंभिक जांच परिणामों के तहत अनंतिम शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। जांच पूरी होने के बाद प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे निर्धारित प्रपत्र में और तरीके से पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

65. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचित अनंतिम शुल्क लगाए जाने की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि और आयातों के पहुंच मूल्य के बीच के अंतर के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

### शुल्क तालिका

क्र.सं.	शीर्ष/उप-शीर्ष/टैरिफ	वस्तु का विवरण	निर्दिष्ट	उद्गम का देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा अ 0 डालर
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	39.2690	केबल टाइज	किसी आकार का	चीन जन.गण.	कोई	कोई	कोई	6.05	प्रति किग्रा.	अ 0 डालर
2	39.2690	केबल टाइज	किसी आकार का	चीन जन.गण. तथा ताइवान से हतर कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	6.05	प्रति किग्रा.	अ 0 डालर
3	39.2690	केबल टाइज	किसी आकार का	ताइवान	कोई	कोई	कोई	6.19	प्रति किग्रा.	अ 0 डालर
4	39.2690	केबल टाइज	किसी आकार का	ताइवान चीन तथा जन.गण. से हतर कोई देश	ताइवान	कोई	कोई	6.19	प्रति किग्रा.	अ 0 डालर

66. केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकार की जाने के बाद इस आदेश के खिलाफ कोई अपील अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार आभाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

# MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2009

### Final Findings

**Subject : Anti-Dumping Investigation concerning the imports of Cable Ties originating in or exported from China PR and Taiwan.**

**F. No. 14/10/2007-DGAD.**—Whereas, the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority), having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 as amended from time to time, (hereinafter referred to as the Rules) received an application from M/s. Sarehole Plastics Pvt. Ltd., Mumbai (hereinafter referred to as the Applicant) alleging dumping of Cable Ties (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR and Taiwan (hereinafter referred to as subject countries) and requested for initiation of Anti-dumping investigations or levy of anti-dumping duties on the subject goods.

2. And whereas the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, after examination of the same with regard to adequacy and accuracy issued a public notice dated 1<sup>st</sup> January 2008 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries in accordance with the Rule 6 (1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

3. Whereas The Designated Authority having regard to the Act and Rules investigated and recommended imposition of provisional Anti Dumping duty on imports of Cable Ties falling under Sub-heading 39.2690/3926.9010 of ITC HS classification originating in or exported from China PR and Taiwan vide Preliminary Findings of even number dated 23<sup>rd</sup> September 2008 and provisional antidumping duty was imposed on the subject goods vide Customs Notification No.118/2008-Customs dated 31.10.2008.

**A. PROCEDURE****4. The procedure described below has been followed:**

- i. The Authority notified to the Embassies/trade representatives of subject countries in India about the receipt of application alleging dumping of subject goods made by the Applicant before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
- ii. The Authority sent copies of initiation notification dated 1<sup>st</sup> January, 2008 to the Embassies/Trade Representatives of the subject countries/territories in India, known exporters from the subject countries, importers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicants and requested them to provide relevant information and make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- iii. The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassies/Trade Representatives of China PR and Taiwan in accordance with Rule 6 supra.
- iv. The Embassies/trade representatives of China PR and Taiwan in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6 with a request to advise the exporters/ producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letters and questionnaire sent to the exporters/producers were also sent to them, along with the names and addresses of the exporters.
- v. The applicant requested the Authority to treat China PR as a non-market economy country for the purpose of present investigations. The Authority informed the known exporters from China PR that it proposes to examine the claim of the applicant in the light of para (7) & (8) of Annexure-I of the Anti-Dumping Rules as amended. The concerned exporters / producers of the subject goods from China PR were therefore advised to furnish necessary information/ sufficient evidence, as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Designated Authority to consider whether market economy treatment should be granted to the cooperating exporters/ producers who could demonstrate that they satisfy that market conditions prevail in their case.
- vi. The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4):

1. Hua Wei Industrial Co.Ltd. (Giantlok)  
1048, Xiang Da Rd, Zhaotun Town  
Qingau Country, Shanghai, China PR

2. (Yueqing) Gaulin (Huaxin) Electricappratus Factory  
Zhuyang Industrial Zone

Yueqing, Yuecheng, Zhejiang  
China PR

3. Power Industry Part Book Enterprise  
ZKE JIANG PHOENIX ELECTRIC POWER FITTING CO. LTD.  
Zheijiang Liushi Jiaxi.
4. Co-Talent n Limited (CTNL)  
Unit No. 4, 3/F1, WlinFu Centre,  
30, Shiag Yip Street  
Kwun Tong, Kowloon, Hong Kong  
China Factory: Meizhou, Guangdong,  
China PR
5. Kaygo Plastics Manufacturing Co. Ltd.  
No. 58, Liule Road, Liushi Town  
Wenzhou, Zhejiang  
China PR
6. Zhejiang Giujing Meters Co. Ltd.  
No. 18 Fenjin Road,  
Dongfeng Ind Zone  
Liushi Tower,  
China PR
7. Yueging Qiligan Plastics Manufacturers Co. Ltd.  
Huaxi Indl. District Huanghua Town  
Yueging, Zhejiang  
China PR
8. Wenzhou Yongji Electric Equipments  
R.No. 2515-16, Harbor Mansion No. 12 Changjieng Road, Dlian  
China PR
9. V.Y. Cables Accessories Co. Ltd.  
88, Sheng Li Road, Jen-The Hsiang Taiwan HsieTaiwan
10. Kai Sun Suh Enterprise Co. Ltd.  
38, Yeh Ping N. Road, Sec. 1  
Taipei, Taiwan R.O.C
11. Giantlok 1, 20<sup>th</sup> Road, Taichung Industrial Park  
Taichung, Taiwan ROC
12. AVC  
No. 248-27, Hsin Sheng Road  
Chien Zhen District, Kaoshiung City  
Taiwan

- vii. In response to the initiation notification no exporter/producer from china PR and Taiwan has responded to the questionnaire.
- viii. A questionnaire was sent to the following known importers/user associations of the subject goods for necessary information in accordance with Rule 6(4).
1. Krishna Electronics,  
2, Digambar Jain Temple Road, 4<sup>th</sup> Floor  
Kolkata.
  2. Anandi International , Kolkatta  
1, Netai Halder Street  
Kolkata –7
  3. Multi Impex, Chennai  
145 Linghi Chetty Street  
1<sup>st</sup> Floor,  
Chennai – 600 001
  4. P.S. Enterprise, Kolkatta  
32, Ezra Street,  
Room No. 518,  
Calcutta (W.B) – 700 001
  5. Sumati Chand Bothra, Kolkatta  
32, Ezra Street, 2<sup>nd</sup> floor,  
Room No. 272(N)  
Calcutta (W.B) – 700 001
  6. Wire & Cable Corporation, New Delhi  
4, Sona Bazar, Bhagirath Palace, Delhi – 110 006
  7. Choudhary International  
KD-47A Ashok Vihar,  
Phase-I, Delhi – 110 052
  8. B.B. Corporation, Chennai  
No.3, Davidson Street,  
Ground Floor,  
Chennai – 600 079
  9. Hirawat Marketing Services, Kolkatta  
32, Ezra Street,  
Room No. 518  
Kolkata - 700 001
  10. Jeetendra Kumar Modi,  
2, Digamber Jain Temple Road,  
4<sup>th</sup> Floor, Kolkata – 700 007.

11. Shah Enterprises, Mumbai  
147, Lohar Chawl  
Tawawala Bldg.  
2<sup>nd</sup> Floor, R.No.45  
Mumbai – 400 002
12. Krishna Commercial Corpn.Chennai  
#2, Venkatachala  
Mudali Lane, 2<sup>nd</sup> Floor  
Chennai – 600 003
13. Pranav Electricals, Vadodara  
C/o. Ashish Electricals & Electronics  
13, Rajlaxmi Complex  
Old Padra Road  
Vadodara – 390 007
14. Modi Industrial Interface  
82/1-2, 2<sup>nd</sup> Floor, Prabha Market  
A.M.Lane Chickpet Cross  
Bangalore – 560052

ix. In response to the above notification the following importers/interested parties have filed their submissions.

- (a) M/s. P.S. Enterprise(The Electrical People)  
32, Ezra Street, Kolkata-700001.
- (b) M/s. Hirawat Marketing Services,  
32, Ezra Street, Kolkata-700001.
- (c) M/s. Anixter India Pvt. Ltd.,  
163, Luz Church Road, Mylapore, Chennai-600004
- (d) M/s. Modi Industrial Interface,  
82/1-2, 2<sup>nd</sup> Floor, Prabha Market,  
A.M. Lane, Chickpet,  
Bangalore-560 053.
- (e) M/s. Talawat Trading Co.,  
145-F, NSC Bose Road,  
Chennai-600079.
- (f) M/s. Yash Syndicate Pvt. Ltd.  
194/4, Bangur Avenue, 2<sup>nd</sup> Floor, 'B' Block,  
Kolkata-700 055.
- (g) M/s. Anandi International  
1, Netai Halder Street Kolkata –700 007

(h) M/s. Shefali Enterprises,  
11, Yusuf Building, Ground floor,  
70, Mangaldas Road, Lohar Chawl, Mumbai-400002

- x. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and for the period of investigation. Information received from the DGCI&S, has been analyzed in the present findings.
- xi. The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7). A copy of the non-confidential application was also provided to other interested parties, as requested.
- xii. The Authority has verified the information furnished by the Domestic Industry to the extent possible to examine the injury suffered and to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted accounting Principles (GAPP) and the information furnished by the applicant so as to ascertain if Anti dumping Duty lower than the Dumping Margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xiii. In accordance with Rule 6(6), the Authority also provided an opportunity to all interested parties to present their views orally in a Public Hearing held on 28<sup>th</sup> November, 2008. The interested parties who presented their views in the Public Hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally.
- xiv. \*\*\* in this Statement represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority on merits under the Rules.
- xv. The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is 1<sup>st</sup> April, 2006 to 30<sup>th</sup> June, 2007 (15 months). However, injury analysis has covered the period from 1<sup>st</sup> April 2003 to the end of the POI.
- xvi. The Authority provided opportunity to the importers/ industrial users of the product under consideration to furnish information considered relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality.
- xvii. The Authority in this case has considered the data relating to customers' price and costing as confidential as the disclosure of the same may give the competitive advantage to the other interested parties. The data relating to volumes of domestic industry has not been treated as confidential.



**B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**

5. The product under consideration in the present petition is Cable Ties. Cable Ties consists of sturdy nylon tape with an integrated gear rack and on one end a ratchet within a small open case. This is an economical and versatile method of Cable/Wire bunching systems. Cable Ties are known by several names e.g. non-releasable or releasable (reusable) tags, straps, zip ties, tie wrap, rat belt etc. and produced & sold in different sizes as per requirement of the customers. Cable Ties are a one piece moulded mechanism with no metal barbs or cumbersome wedges having fastening and self locking device. Once a non-releasable cable tie is pulled through, it prevents from being pulled back allowing tighter pulling only. Cable ties are generally single use devices. However reusable Cable Ties are also produced according to the demand of the customers.

6. Cable Ties are made of nylon and are classified under chapter 39.26 of the Customs Tariff Act, 1975, under Subheading 39.2690/3926.9010. However the customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

7. The Applicant has claimed that there has been no significant difference in the subject goods produced by the domestic industry and exported from the subject countries and therefore is like article within the meaning of Rule 2(d) of AD Rules. It has been stated that the subject goods produced by the domestic industry are comparable to the imported ones from subject countries in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. Both are technically and commercially substitutable and hold close resembling characteristics. It has been claimed that the consumers have used the two interchangeably.

8. The responding importers have claimed that the subject goods exported from China PR & Taiwan and the goods produced by the domestic industry are different in terms of associated qualities. These interested parties have been specifically asked to provide relevant information to establish their claim. However, no duly substantiated claim have been made by these interested parties.

**C. DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING**

9. The anti-dumping investigation has been initiated on the basis of a duly substantiated request submitted by M/s. Surelock Plastics Pvt. Ltd. Mumbai in terms of Rule 5 of the Rules. The applicant claimed that there have been four other producers of subject goods in India, namely M/s. Microsign Products, Bhavnagar, M/s. Novaflex Mktg. Pvt. Ltd. Kolkata, M/s. Blackburn & Co. Pvt. Ltd. 24, Parganas(South) West Bengal and M/s. Flu-Con Enterprises, Mumbai, out of which two have been importers of the product under consideration and accordingly such producers may be deemed not to form part of domestic industry, in terms of Rule 2 (b) of the Rules.

127401/09-5

127401/09-5

10. The information available on records establishes that the applicant holds over 81% of the total domestic production of the subject goods and that it constitutes the domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the rules supra (as the production of the applicant company constitute more than 50 % of total Indian production). No comments have been received from any interested party disputing the claim and status of the Applicant. The investigation has not shown that the applicant does not satisfy the requirement of standing or the applicant does not constitute domestic industry.

#### **D. DUMPING MARGIN**

##### **D.1 METHODOLOGY OF DETERMINATION**

11. There is no response from any producer/exporter from China PR and Taiwan. The Authority has recorded these findings on the basis of best available information in view of non cooperation from the exporters from the subject countries.

##### **D.2 CHINA PR AND EXAMINATION OF MARKET ECONOMY CLAIMS**

###### **D.2.1. Views of the domestic industry**

12. China PR is a non-market economy country and therefore, the normal value in case of China PR is required to be determined as per procedure described in Para 7 of Annexure I to the Anti Dumping Rules.

###### **D.2.2 Views of other interested parties**

13. The production costs in general are quite low in comparison to India in view of lower cost of inputs, labour and other support given to the Chinese companies. The petitioner has higher cost of production and must be directed to reduce its cost of production. The scale of operations of the foreign producers is much bigger than the petitioner giving them economies of scale of operations.

###### **D.2.3 Examination by the Authority**

14. The Authority has noted that in the past three years, China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. None of the producers/exporters from China PR have responded to the Authority. There has been no claim for treatment of market economy status by any Chinese producer/exporter. Therefore, in terms of para 7 and 8(2) of the Annexure I of Anti Dumping Rules, China PR has been treated as a non-market economy country. The Authority has also noted that while advancing the arguments on economies of scale of operations, the interested parties have not provided any verifiable evidence to substantiate their claims. Moreover, none of the exporter/producer from China PR has responded to the Authority to establish the claims made by the interested parties.

#### **D.3 NORMAL VALUE**

15. No exporter/producer from the subject countries have cooperated in the investigation to enable to determine normal value and export price of the subject goods in their countries. The Authority has noted that while advancing the arguments on economies of scale of operations, the interested parties have not provided any

verifiable evidence to substantiate their claims. None of the Chinese producers have responded to the Authority in support of the claims made by these interested parties. The Authority, on the spot investigations at the premises of the petitioner company has examined the production process & manufacturing technology and notes that the production process for the product under consideration does not involve substantial production technology or manufacturing process. There has been no evidence that scale of operations could make substantial difference in the cost of production. In view of the same, normal value, export price and dumping margin have been determined on the basis of facts available in terms of Rule 6 (8) of AD Rules read with Article 6.8 of the Agreement.

16. While responding to the preliminary findings, petitioner argued that production of the subject goods requires a specific type of nylon chips. The petitioner has provided purchase invoices in respect of nylon chips purchased by them and argued that all kinds of nylon chips cannot be consumed in production of the subject goods. The Petitioner argued that the Authority should not adopt weighted average price of different types of nylon chips for determination of normal value. The Authority has noted that the petitioner has not furnished any substantial evidence in support of its claim and adopted weighted average price, as has been adopted in the Preliminary Findings.

#### **D.3.1 Normal Value in China P.R.**

17. Normal Value for China PR has been constructed on the basis of international price of major raw material (Nylon) duly adjusted for ocean freight and marine insurance. In view of substantiated argument with regard to the nylon chips used for production of the product under consideration, the Authority has considered prices of raw material for the comparable grade of the product. Other raw materials, conversion cost, general and administrative expenses has been adopted as per domestic industry's cost of production together with a 5% margin of profit (excluding interest). The normal value so constructed in case of China PR has been determined as Rs. \*\*\* per Kg (US\$ \*\*\* per kg @Rs44.93 per US\$).

#### **D.3.2 Normal Value in Taiwan**

18. Normal value for Taiwan has been constructed on the basis of international prices of major raw material (Nylon) at Taiwan duly adjusted for ocean freight and marine insurance. In view of substantiated argument with regard to the nylon chips used for production of the product under consideration, the Authority has considered prices of raw material for the comparable grade of the product. Other raw materials, conversion cost, general and administrative selling expenses has been adopted as per domestic industry's cost of production together with a 5% margin of profit (excluding interest). The normal value so constructed in case of Taiwan has been determined as Rs \*\*\* per Kg (US\$ \*\*\* per kg @Rs44.93 per US\$).

#### **D.4 EXPORT PRICE**

19. The transaction wise data from DGCI&S has been called for the POI and previous three years. The transaction wise data for the injury period as received from the DGCI&S had discrepancies with regard to weight of the subject goods. The

DGCI&S was once again requested to provide the transaction wise data with weight of the subject goods. The revised data received from DGCI&S though indicate the gross weight of the subject goods does not show the net weight and accordingly does not reflect the per unit export price. It has been observed from the DGCI&S Data that average export price per/Kg. of the subject goods are quite low in comparison to the data available from the secondary source. It has also been noted that the information furnished by the responding importers have been available in the secondary source data. Therefore, the Authority has considered the data available from secondary source to arrive at CIF/export price. The responding importers at the time of oral hearing argued that the import prices were much higher than what was referred by the domestic industry. The Authority has noted that the export price has been arrived at on the basis of known imports of the product under consideration into India. It has been noted that some interested parties have imported the goods at higher prices as well, while there have been imports at quite low prices also and accordingly, the Authority has considered import price based on weighted average of all imports – including imports at low prices as well as at high prices.

20. The CIF export price has been determined as Rs. \*\*\*per Kg. in case of China PR and Rs\*\*\*per Kg. in case of Taiwan respectively. After considering price adjustments, as provided by the domestic industry on account of ocean freight & marine insurance, the ex factory export price has been determined as Rs. \*\*\* (US\$ \*\*\*) per Kg. for China PR and Rs. \*\*\* (US\$ \*\*\*) per Kg. for Taiwan respectively( considering the one US\$ @ Rs.44.93 ).

#### **D. 5 DUMPING MARGIN**

21. The details of dumping margin are as under:

	China PR		Taiwan	
	Rs./Kg.	US\$/Kg.	Rs./Kg.	US\$/Kg.
Normal value	****	***	***	***
Export price	****	****	****	****
Dumping margin	***	***	***	***
Dumping margin % Range	340-350	340-350	105-115	105-115

#### **E. INJURY ASSESSMENT**

22. The Authority has examined the injury suffered by the domestic industry in the following paragraphs.

##### **E.1 Examination of Injury Parameters**

##### **E.1.1 Views of Domestic Industry**

23. The domestic industry has submitted that the share of imports from subject countries i.e. China PR and Taiwan have increased not only in relation to total

imports but also in comparison to total demand and total production during the period of investigation as compared to the base year 2003-04. The dumped imports from the subject countries have affected the domestic prices and the price undercutting and price underselling have been significant during the period of investigation. The market share, capacity utilization, profitability, return on investment, cash flow, growth etc. have declined over the injury and investigation period. The sales of the domestic industry have increased, however the increase in sales have been less than the increase in demand. The margin of dumping from both China PR and Taiwan have been significant during the period of investigation.

#### **E.1.2 Views of other interested parties**

24. Some importers claimed that the cost of production of the petitioner was very high and that the Authority should direct the petitioner to reduce its cost of production. It was also claimed that the petitioner had inefficient process, lacked economy of scale, was paying higher cost for the raw materials and had high cost of production due to number of factors.

#### **E.2 Examination by the Authority**

25. The Authority has taken note of various arguments raised by the interested parties in their submissions.

##### **E.2.1 Cumulative Assessment**

26. As per para (iii) of annexure-II, in cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

The Authority has noted that :-

- i) The margin of dumping in respect of each of the subject country has been more than 2% and the volume of imports from each country has also been more than 3%.
- ii) The subject goods have been imported from the subject countries under the same tariff classification.
- iii) The imported subject goods have been commercial substitutes of the domestically produced goods.
- iv) The Authority has further noted that the volume of the imports from the subject countries has been rising from base year to POI.

27. In view of the above, the Authority has noted that it is appropriate to cumulatively assess the effect of imports of the subject goods on the domestically produced like article in the light of conditions of competition between the imported products and the like domestic product.

28. Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which would have otherwise occurred to a significant degree.

29. For the purpose of injury analysis the Authority has examined the impact of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on production, capacity utilization, sales, prices and profitability, etc. to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

30. Since positive dumping margins have been established for the exports from the subject countries, therefore, entire exports from the subject countries have been treated as dumped imports for the purpose of injury analysis and causal links examinations. The Authority has observed that:

- (a) The imports from China PR has increased in absolute terms as same has increased more than four times during POI as compared to the base year. The imports have increased significantly in the investigation period.
- (b) Imports from Taiwan has also increased in absolute terms. The imports during POI have been more than two times of the imports made during the base year and significantly increased in the investigation period.
- (c) Increase in imports in absolute terms has lead to increase its market share and decrease in the market share of the domestic industry.

## **F.1 Volume Effect**

### **F.1.1 Import volumes and market share:**

31. The applicant has given the transaction-wise data provided by Info Drive. The information provided by Info Drive shows that imports from the subject countries from base year to POI have increased by 152%. The import from China PR has 30% share in the total import during POI. The import from Taiwan has 64% in the total import during POI.

32. The Authority has examined the imports data from other secondary sources (i.e. Info Drive, Mumbai) provided by the domestic industry. The import volumes from the subject countries have been noted as under:

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annulised
<b>Imports -</b>						
China P.R.	MT	29	13	15	152	122
Taiwan	MT	122	92	169	323	258
Total Subject Countries	MT	151	105	184	475	380
Trend	Indexed	100	70	122	251	251
Imports - Other Countries	MT	-	3	-	28	23
Total import	MT	151	108	184	503	403
Trend	Indexed	100	72	122	267	267

33. From above, it is evident that imports from subject countries have increased in absolute terms and has increased by 167% from the base year 2003-04 to POI.

34. Demand of cable ties in India has been determined from the Imports data available from secondary sources and sales of the domestic industry and the same have been as under:-

		2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annulised
<b>Demand</b>						
Sales of Domestic industry	MT	****	****	****	****	****
Imports -Subject Countries	MT	151	105	184	475	380
Imports-Other Countries	MT	-	3	-	28	23
Total Demand	MT	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	97	137	304	244

35. The Authority has noted that the demand for the product has increased to the extent of 144% from the base year 2003-04 to POI.

## F.2 Effect of dumped imports on the prices of domestic industry

36. The effect of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined in terms of (a) price undercutting (b) price underselling (c) price depression and (d) price suppression and are as under:-

**F.2.1 Price undercutting**

37. The price undercutting due to dumped imports from each of the subject countries has been significant during entire injury period and POI as detailed in the table below:

(Rs./Kg.)

	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised
Net Sales Realization	****	****	****	****	****
Landed Value of Imports					
China PR	****	****	****	****	****
Taiwan	****	****	****	****	****
Subject Countries	****	****	****	****	****
Price Undercutting Rs./Kg.					
China PR	****	****	****	****	****
Taiwan	****	****	****	****	****
Subject Countries	****	****	****	****	****
Price Undercutting (%)					
China PR	80-90	80-90	80-90	70-80	70-80
Taiwan	50-60	65-65	60-70	50-60	50-60
Subject Countries	60-70	60-70	60-70	55-65	55-65

**F.2.2 Price underselling:**

38. The price underselling due to dumped imports has been as under:

Non- injurious price Rs/Kg	****
Landed Price-China PR Rs./Kg.	****
Price underselling-China PR Rs./Kg.	****
Price underselling (%) Range	355-365
Non- injurious price Rs./Kg.	****
Landed Price – Taiwan Rs./Kg.	****
Price underselling – Taiwan Rs./Kg.	****
Price underselling (%) Range	120-130
Non- injurious price Rs./Kg.	****
Landed Price – subject countries Rs./Kg.	****
Price underselling – subject countries Rs./Kg.	****
Price underselling (%) range	180-190

**F.2.3 Price Depression and Price Suppression:**

39. The price suppression/depression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of sales, net sales realization and the landed



values from the subject countries as per the table given below:-

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI (annualized)
Cost of Sales	Rs./Kg.	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	106	136	150	150
Net Sales Realisation	Rs./Kg.	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	102	112	114	114
Landed Price - China	Rs./Kg.	****	****	****	****	****
Landed Price - Taiwan	Rs./Kg.	****	****	****	****	****

40. The Authority has noted that both cost of sales and net sales realization of the subject goods has increased during injury period. However, increase in the sales realization has been lower than the increase in the cost of sales. The domestic industry has been prevented from raising its prices in proportionate to the increase in the cost of sales due to dumped imports. Thus even though selling price of the domestic industry has increased during the injury period, the increase has been far less than the increase in the cost of sales.

#### F.2.4. Examination of various injury parameters

41. The Authority has noted following information on the impact of dumped imports on the domestic industry in terms of various economic factors and indices having a bearing on the domestic industry as detailed below:

##### (i) Sales Volume:

Sales Volume		2003-04	2004-05	2005-06	POI	Annualised
Domestic	MT	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	139	161	255	104
Total Demand	MT	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	97	137	304	244

42. The Authority has noted that domestic sales quantities has increased from 90 MT in 2003-04 to 230 MT during POI recording a increase of 104% as shown above in the table. However, whereas the demand increased by 144 %, sales of the domestic industry has increased only by 104%.

##### (ii) Market share and Demand

Demand		2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI annualized
Sales of Domestic industry	MT	****	****	****	****	****
Imports from China	MT	29	13	15	152	122

PR						
Imports from Taiwan	MT	122	92	169	323	258
Imports - Subject Countries	MT	151	105	184	475	380
Imports - Other Countries	MT	0	3	0	28	23
Total Demand	MT	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	97	137	304	244
<b>Market Share in Demand</b>						
China P.R.	%	12	6	5	21	21
Taiwan	%	51	39	51	44	44
Subject Countries	%	63	45	56	65	65
Trend	Indexed	100	71	89	103	103
Other countries	%	-	1	-	4	4
Domestic industry	%	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100.00	145	119	84	84

43. The Authority has noted that increase in sales has been less than the increase in demand. The market share of the subject dumped imports increased from 63% to 65% over the injury period and that of domestic industry has declined from 37% in base year to 31% during the same period. The market share of the Domestic Industry was 37% in 2003-04 and increased to 54% in 2004-05. It declined to 44% in 2005-06 and further declined to 31% in POI, while the demand of the subject goods has increased by 144% from 2003-04 to POI.

(iii) **Production and Utilisation Capacity**

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI annualized
Installed Capacity	MT	****	****	****	****	****
Installed Capacity (Indexed)	MT	100	100	220	275	220
Production	MT	****	****	****	****	****
Production (Indexed)		100	133	183	226	226
Capacity Utilization		****	****	****	****	****
Index		100	134	83	102	103

44. The Capacity of domestic industry has increased by 120%% from 2003-04 to POI and capacity utilization increased from 71% in 2003-04 to 73% during the same period.

(iv) **Productivity and employment:**

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualized
Production	MT	****	****	****	****	****
Production (Indexed)		100	133	183	226	226
Employees	Nos.	****	****	****	****	****
Trend (indexed)		100	113	120	133	133

45. The Authority has noted that there is no fall in productivity as well as employment of the domestic industry.

(v) **Inventory:**

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualized
Average Inventories	MT	****	****	****	****	****
Trend (Indexed)		100	75	140	130	130

46. The Authority has noted that the inventories of the domestic industry has increased from 100 in 2003-04 to 130 during the POI.

(vi) **Cash flow**

Cash Profit		2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI annulized
Profit/Loss	Rs/Lacs	****	****	****	****	****
Depreciation	Rs/Lacs	****	****	****	****	****
Cash Profit	Rs/Lacs	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	129	113	86	69

47. The Authority has noted that cash profit has declined from 100 in 2003-04 to 69 during POI.

(vii) **Wages:**

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI annualized
Wages	Rs/Lacs	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	153	168	288	230

48. The Authority has noted that wages per unit of production has marginally gone up.

(viii) **Growth:**

49. The Authority has noted that the growth of the domestic industry has been positive with regard to production and sales volumes, while same has been negative with regard to market share, profitability, return on investment and cash flow.

(ix) **Ability to raise Capital or investments:**

50. The Authority has noted that with reduction in return on capital employed, ability to raise capital on investments has been adversely affected.

(x) **Factors affecting domestic prices:**

51. The Authority has noted that the cost of sales increased by 50% during the injury period while sales realization increased only by 14% and the domestic industry has not been able to increase selling prices commensurate to cost of sales.

(xi) **Magnitude of margin of dumping:**

52. Margin of dumping from the subject countries individually have been significantly higher than the de minimis level of 2%.

**F.3 Examination by the Authority**

53. In view of the above, the Authority has noted that:

- a. There has been significant increase in the quantum of dumped imports of the subject goods from the subject countries and the same has gone up in absolute terms as well as in relation to total imports, demand and domestic production in India.
- b. The market share of the domestic industry in demand has declined, while that of imports has increased.
- c. The CIF import price and landed price of subject goods have declined over the injury period in spite of increase in cost of raw material and cost of production.
- d. Landed price of imports from subject countries were significantly below the selling price and non-injurious price of domestic industry, resulting in significant price undercutting and price underselling. This has impacted the domestic industry adversely.
- e. Price undercutting from the subject countries and increase in raw materials costs resulted in price suppression being caused in the market. The domestic industry has not been able to increase its price in proportion to increase in costs.
- f. The significant positive price undercutting and consequent price suppression faced by the domestic industry resulted in deterioration in profits, cash flows, return on investment.

- g. Even though production and sales volumes of the domestic industry increased over the period, the increase in the same has been far less than the increase in the production capacity with the domestic industry and demand in the Country.
- h. The capacity utilization of the domestic industry has declined.
- i. The dumping margin as determined for the subject countries have been are significant.

#### **G. CAUSAL LINK:**

54. The Authority has examined the impact of all known factors and their consequences on the situation of the domestic industry, in order to reach to its conclusions on the cause of the injury suffered by the domestic industry in accordance with Article 3.5 of Agreement on anti-dumping and as per Para (v) of Annexure-II under Rule 11 under Customs Tariff Act as amended. Known factors other than dumped imports, which could at the same time have injured the domestic industry has also been examined to ensure that the possible injury caused by these other factors has not been attributed to the dumped imports.

##### **G.1. Other Known factors and Causal Link**

55. The Authority has also examined the issue of causal link and other non-attributing factors as laid down in the Rules to segregate injury if any caused by other factors. In this regard the following indicative factors as laid down in the Rules have been examined.

a. **Imports from Third Countries:** Imports of subject goods from other countries have been negligible in comparison with the imports from subject countries and the imports from other countries do not appear to have caused injury to the domestic industry.

b. **Contraction in demand or change in the pattern of consumption:** It is noted that there is no contraction in the demand and also the pattern of demand has not significantly changed during the period of investigation. On the contrary, the overall demand for the subject goods has increased and the pattern of consumption is changing in favour of the product under consideration. Therefore, the possible decline in demand does not appear to be a factor, which could have caused injury to the domestic industry and it does not appear that the pattern of consumption has caused injury to the domestic industry.

c. **Trade restrictive practice and conditions of competition:** The Authority notes that no trade restrictive practices followed by the Indian producer and other competing industries or any other conditions of competition that have caused injury to the domestic industry.

d. **Technology:-** There appears to be no significant change in technology over the injury period which could have caused injury to the domestic industry.

Further, none of the interested party has submitted any evidence that the technology is a factor of injury to the domestic industry.

e. **Export performance**:- The Domestic Industry has exported the subject goods during the period of investigation as well as during previous three years. The Authority notes that the export performance has shown improvement and has not been a factor of injury to the domestic industry.

f. **Productivity**: The productivity of the domestic industry has improved over the injury period and therefore, could not be a cause of injury to the domestic industry.

## H. MAGNITUDE OF INJURY MARGIN

56. The domestic industry has stated that at the time of working of NIP for the Preliminary Findings, the annual accounts for 2007-08 have not been finalised and NIP for the subject goods has been determined based on the audited accounts for 2006-07 and provisional financial statements for first quarter of 2007-08 as the petitioner has no requirement to prepare quarterly financial results. Therefore, the provisional financial results provided earlier by the petitioner did not provide most of its overhead expenses for 2007-08 and in NIP for the final findings overhead expenses for 2006-07 and April 07-June 07( Fifteen Months.) may please be taken into account. NIP at the time of Preliminary Findings was determined on duly verified data on the basis of Audited Annual Report for the period 2006-07 and duly certified provisional Annual Report for the quarter ending 30<sup>th</sup> June, 2007. At the time of verification, it has not been brought to the notice that most of the overheads are booked on annual basis and accordingly the Authority has noted that the request made by the domestic industry has no force at this stage and agree to the NIP as determined on the basis of information furnished earlier by the domestic industry.

57. The Authority has compared the non-injurious price as worked out with the average landed value determined based upon the data available from the secondary source and Injury margin has been arrived at as given below:

### I. Injury margin Calculations

Particulars	Unit	China PR	Taiwan
NIP	Rs./per kg.	****	****
Landed Price	Rs./per kg.	****	****
Injury margin	Rs./per kg.	****	****
Injury margin range	%	355-365	120-130

**J. Comments on Disclosure Statement:**

58. The domestic industry has stated that there are numerous types and sizes of Cable Ties and claims with regard to appropriate weight of the product can become highly subjective since it is not feasible for the Customs Port Authorities to verify the weight of each type of the product. It has also been stated that correct assessment of weight of a consignment is a herculean task for the Customs Port Authorities and has requested to recommend definitive duties in terms of fixed amount of duty so that the domestic industry can survive. The domestic industry has also referred decisions of the CESTAT in the matter of Vittrified Tiles wherein conversion of Anti Dumping Duty from variable form in the Preliminary Findings has been revised to fixed amount in the final findings to support their request. The domestic industry has also requested to recommend the duty in terms of US\$ in view of significant deterioration of Indian rupees.

59. No comments on disclosure Statement have been received from any interested party.

**J.1. Examination by the Authority:**

60. The contention of the domestic industry that to assess the correct weight of a consignment is a herculean task for the Customs Port Authorities and it is not feasible for the Customs Port Authorities to verify the weight of each type of the product does not hold good and the Authority holds that the domestic industry's request for definitive anti dumping duty has no valid grounds because the duty is recommended on weight basis and the Customs Port Authorities have to verify the weight irrespective of the type of the duty levied. Further, The Authority notes that the share of the subject countries in the domestic demand has increased from 63% in 2003-04 to 65% during POI registering an increase of 2% only and share of the domestic industry has been 37% in 2003-04 which has decreased to 31% during POI registering a decline of 6% only. Moreover, though the landed price from the subject countries has been quite low, there has been no major impact on the Net Sales Realization of domestic industry and accordingly the reference price duty as has been recommended in the Preliminary Findings hold good for the Final Findings also. However, the Authority finds that request to express duty amount in US dollar terms hold good and agrees to the same.

**K. Final Findings:**

61. On the basis of the above analysis and taking into account the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and the facts available on record, the Authority concludes that:

- (a) The subject goods have been exported to India from the subject countries at dumped prices and dumping margins have been substantial and above de minimis level.
- (b) The domestic industry has suffered material injury.

- (c) The injury has been caused by the dumped imports from the subject countries.

#### **L. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES**

62. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way and therefore would not affect the availability of the products to the consumers.

63. The Authority notes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured/subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help to maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way and therefore would not affect the availability of the product to the consumers.

#### **M. Recommendations**

64. The Authority has noted that the investigation has been initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity has been given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. On preliminary investigations, the Authority recommended imposition of provisional duty to offset dumping and injury pending completion of the investigation vide Preliminary Findings of even number dated 23.9.2009. The Authority on competition of investigations considers it necessary and recommends imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

65. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive Anti Dumping Duty equal to the difference between the amount indicated in Col 9 of the table below and landed value of imports is recommended to be imposed from the date of imposition of the provisional duty notified by the Central Government on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.



**DUTY TABLE**

Sl. No	Heading/ Sub-heading/ Tariff	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Duty amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	39.2690	Cable Ties	Any size	China PR	Any	Any	Any	6.05	per kg.	US\$
2	39.2690	Cable Ties	Any size	Any country other than China PR & Taiwan	China PR	Any	Any	6.05	per kg.	US\$
3	39.2690	Cable Ties	Any size	Taiwan	Any	Any	Any	6.19	per kg.	US\$
4	39.2690	Cable Ties	Any size	Any country other than Taiwan & China PR	Taiwan	Any	Any	6.19	per kg.	US\$

66. An appeal against this order, after its acceptance by the Central Government, shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

R. GOPALAN, Designated Authority